संक्षिप्त परिचय

चौ0 ताराचन्द शिक्षा प्रसार समिति हापुड़ की स्थापना 12 अगस्त 1970 को शिक्षा प्रेमी चौ0 चन्द्रमणी त्यागी जी के कर कमलों द्वारा हुई, और इन्होंने नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार एवं प्रचार की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए, अपने परम पूज्य पिताजी चौ0 ताराचन्द त्यागी जी की प्रेरणा से प्रेरित होकर 31 जनवरी 1971 को बसंतपंचमी के शुभ पर्व पर मंगली माता के निकट, शहर के कोलाहल से दूर, प्रकृति के शान्त एवं सुरम्य वातावरण में चौ0 ताराचन्द जनता इण्टर कॉलेज की नीवं रखी। उनके अथक प्रयासों से अगस्त 1972 में संस्था को हाई स्कूल विज्ञान वर्ग एवं अगस्त 1973 में हाई स्कूल साहित्य वर्ग में मान्यता प्राप्त हुई। आज यह संस्था विज्ञान, साहित्यिक वर्ग में इण्टरमीडिएट तक की शिक्षा प्रदान कर रही है, तथा क्षेष्ठ अनुशासन एवं उत्तम परीक्षाफल के कारण मेरठ मंडल के विशिष्ट विद्यालयों में अपना स्थान रखती है।

हापुड़ क्षेत्र के ग्रामीण अंचल के अन्य पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक, दलित समुदाय एवं निर्धन छात्र–छात्राओं की उच्च कक्षाओं में प्रवेश की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए चौ0 ताराचन्द शिक्षा प्रसार समिति हापुड़ ने इण्टर कॉलेज के पास ही डिग्री कॉलेज की स्थापना की। इस महाविद्यालय में सन 2001 से विज्ञान वर्ग (जीव विज्ञान एवं गणित) में बी.एस.सी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षायें सुचारू एवं सुव्यवस्थित रूप से चल रही हैं। कला एवं वाणिज्य वर्ग की मान्यता हेतु कार्यवाही जारी है।

इस महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु विज्ञान विषयों की मानक के अनुसार नवीनतम पुस्तकों से सुसज्जित विशाल, पुस्तकालय एवं वाचनालय है। आधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण Physics, Chemistry, Zoology एवं Botany की प्रयोगशालायें हैं। दस विशाल शिक्षण कक्ष, क्रीड़ा कक्ष, खेल का मैदान, स्टाफ कक्ष, विशाल सभा हॉल, छात्राओं के लिए कामन–रूम तथा शिक्षण कार्य के लिए सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध है। हापुड़ क्षेत्र में विद्युत आपुर्ति की अव्यवस्था होने के कारण महाविद्यालय में जेनरेटर की व्यवस्था है। कॉलेज में खेलों व शारीरिक शिक्षा के प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था है।

सांस्कृतिक परिषद के मार्ग दर्शन में छात्र–छात्राओं ने भाषण, निबंध–लेखन आदि के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलिज का नाम रोशन किया है। एन.एस.एस. इकाई के द्वारा छात्र–छात्राओं में देश व समाज के प्रति सेवा भाव उत्पन्न किया जाता है। पल्स पोलियो में स्वयं सेवकों ने बढ़–चढ कर भाग लेकर अल्पसंख्यक समुदाय में इस अभियान के प्रति फैली भ्रान्तियों को दूर किया। मतदाता जागरूकता में एन.एस.एस. इकाई ने विशेष योगदान दिया। इन विशेषताओं के कारण ही शिक्षा प्रेमी एवं समाजसेवी श्री चन्द्रमणी त्यागी जी द्वारा संजोये सपनों को साकार करने के लिए यह संस्था सदैव प्रयासरत है।

Scanned with CamScanner